1 - हे जग के स्वामी !

चमक रहा है तेज तुम्हारा,

बन कर लाल सूर्य-मंडल,

फैल रही है कीर्ति तुम्हारी,

बन करके चाँदनी धवल।

चमक रहे हैं लाखों तारे,

बन तेरा शंृगार अमल,

चमक रही है किरण तुम्हारी,

चमक रहे हैं सब जल-थल।

हे जग के प्रकाश के स्वामी!

जब सब जग दमका देना,

मेरे भी जीवन के पथ पर,

कुछ किरणें चमका देना।

- सोहन लाल द्विवेदी

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के बिंदकी नामक कस्बे में जन्मे कवि सोहन लाल द्विवेदी (सन् 1906 - सन् 1988 ई.) की कविताओं में राष्ट्र-प्रेम तथा राष्ट्रीय जागरण का स्वर मुखर है। 'दूधबतासा' तथा 'शिशु-भारती' इनके प्रसिद्ध बालगीतों के संग्रह हैं।

अभ्यास

शब्दार्थ-

तेज = प्रकाश सूर्य-मंडल = सूर्य के चारों ओर का

धवल = श्वेत, सफेद लाल घेरा

कीर्ति = यश अमल = निर्मल, स्वच्छ

थल = स्थल, भूमि का भाग दमका देना = प्रकाशित कर देना

1. **बोध प्रश्न**: उत्तर लिखिए -

(क) कविता में प्रकाश के स्वामी से क्या प्रार्थना की गई है ?

(ख) ईश्वर को जग के प्रकाश का स्वामी क्यों कहा गया है ?

(ग) कविता के आधार पर ईश्वर की महिमा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

2. कविता की पंक्तियों को सही क्रम में लिखिए -

बन तेरा शृंगार अमल, ...

चमक रहे हैं सब जल-थल। .....

चमक रही है किरण तुम्हारी, ...

चमक रहे हैं लाखों तारे, ...

बन करके चाँदनी धवल। .....

फैल रही है कीर्ति तुम्हारी .....

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

हे जग के प्रकाश के स्वामी! .....

जब सब जग दमका देना, ...

मेरे भी जीवन के पथ पर, ...

कुछ किरणें चमका देना। .....

4. सोच-विचार: बताइए -

(क) हमें प्रकाश किन-किन चीजों से मिलता है ?

(ख) प्रकृति के किन-किन रूपों को देखकर ईश्वर की याद आती है ?

5. **भाषा के रंग** -

(क) जिन शब्दों के अर्थ समान होते हैं, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं। नीचे लिखे शब्दों में से 'जल' और 'सूर्य' के पर्यायवाची शब्दों को चुनकर लिखिए-

(रवि, नीर, वारि, भानु, अंबु, भास्कर, पानी, दिनकर)

जल .....

सूर्य .....

(ख) कविता में 'जल-थल' और 'जब-सब' जैसे समान ध्वनि वाले शब्द आए हैं। इस तरह के शब्दों को तुकांत शब्द कहते हैं। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों के तीन-तीन तुकांत शब्द लिखिए -

लाल .....

तेरा .....

चमक .....

6. **आपकी कलम से** -

प्रातःकाल चुपचाप थोड़ी देर बाग-बगीचे, खेत-खलिहान में खड़े होकर आस-पास के दृश्यों को देखिए, ध्वनियों को सुनिए और अनुभवों को अपनी कॉपी में लिखिए।

7. **अब करने की बारी -**

पुस्तकालय की सहायता से प्रातःकाल वर्णन की सरल कविताओं का संकलन कीजिए तथा इन्हें गाने का अभ्यास करके प्रार्थना स्थल पर समूहगान कीजिए।

8. मेरे दो प्रश्न: कविता के आधार पर दो सवाल बनाइए -

9. **इस कविता से** -

(क) मैंने सीखा .....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा .....